HOROSCOPETIMES
.COM

Disclaimer:

Astrology is a science which deals in the effects of planets on living beings. To predict its effects, one has to calculate the position of planets & their strengths. Calculations as prepared by Horoscopetimes in this horoscope are very accurate and true apparent longitudes have been used for all the planets. The Ayanamsa adopted is Chitrapaksha Ayanamsa, unless & until other ayanamsa is asked for.

This horoscope is based on Date, Time and Place of Birth provided by the native and we do not stand any responsibility for the accuracy of this data. Astrological calculations & predictions are all based on this basic input given by the native.

Predictions given in the horoscope are indicative tendencies and likelihood and not strict guidelines for action by native. User is suggested to treat these predictions & suggestion with due care and caution.

The horoscope and the information given in the following pages shall not be made a cause of legal dispute for any actual or consequential loss to the native. No cause of action for any damages or otherwise can therefore be entertained.

Provided By:

www.horoscopetimes.com

info@horoscopetimes.com

KDP

वर्षफल 2009 - 10

क्रम : 1108 / Customers . 1 . 52 मॉडल : Y4 दिनाँक : 01/02/2009

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
03/11/1985	जन्म तिथि	03/11/2009
रविवार	जन्म दिन	मंगलवार
16:10:00	जन्म समय	19:46:46
23:49:29	जन्म समय (घटी)	32:51:09
India	देश	India
Nandurbar	स्थान	Nandurbar
उत्तर 21:22:00	अक्षांश	21:22:00 उत्तर
पूर्व 74:18:00	रेखांश	74:18:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
- 0:32:48	स्थानिक समय संस्कार	- 0:32:48
0:00:00	युद्ध/ग्रीष्म समय संस्कार	0:00:00
15:37:12	स्थानिक समय	19:13:58
6:38:12	सूर्योदय	6:38:18
17:54:29	सूर्यास्त	17:54:24
23:39:20	अयनांश	23:59:53

मीन	लग्न	वृष
गुरु	लग्नाधिपति	शुक्र
मिथुन	राशि	मेष
बुध	राशि स्वामी	मंगल
आर्द्रा	नक्षत्र	कृतिका
राहु	नक्षत्र स्वामि	सूर्य
4	चरण	1
सिद्ध	योग	व्यतिपात
गर	करण	कौलव
छत्रपति-छ	जन्म नामाक्षर	अ-आयुष
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
श्वान	योनि	मेष
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	गरूड़
24	गत/तात्कालिक वर्ष	25

Provided By:
www.horoscopetimes.com
info@horoscopetimes.com

KDP

वर्षफल 2009 - 10

जन्म - विवरण   वर्ष - विवरण

अस्त	नक्षत्र	-पद	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	-पद	अस्त
---	उ०भाद्रपद	- 4	15:25:56	मीन	लग्न	वृष	18:09:48	रोहिणी	3	---
---	स्वाति	- 4	17:17:52	तुला	सूर्य	तुला	17:17:52	स्वाति	4	---
---	आर्द्रा	- 4	19:33:28	मिथु	चन्द्र	मेष	27:28:05	कृतिका	1	---
---	हस्त	- 1	10:36:37	कन्या	मंगल	कर्क	14:19:17	पुष्य	4	---
---	अनुराधा	- 2	9:44:49	वृश्चि	बुध	तुला	16:12:40	स्वाति	3	पूर्णस्त
---	श्रवण	- 2	15:01:14	मकर	गुरु	मकर	23:55:35	धनिष्ठा	1	---
---	चित्रा	- 2	28:36:33	कन्या	शुक्र	तुला	0:28:08	चित्रा	3	---
---	अनुराधा	- 1	4:44:33	वृश्चि	शनि	कन्या	6:31:17	उ०फाल्गुनि	3	---
---	भरणी	- 1	15:36:00	मेष व-	राहु -व	धनु	29:50:00	उत्तराषाढ़ा	1	---
पूर्णस्त	स्वाति	- 3	15:36:00	तुला व-	केतु -व	मिथु	29:50:00	पुनर्वसु	3	---
---	उ०भाद्रपद	- 4	15:25:56	मीन	मुन्था	मीन	15:25:56	उ०भाद्रपद	4	---
---	मूल	---	12:42:49	धनु	दशम भाव	कुम्भ	5:20:38	धनिष्ठा	---	---

चित्रपक्षीय अयनांश: 23:59:53 अंश

जन्म लग्न

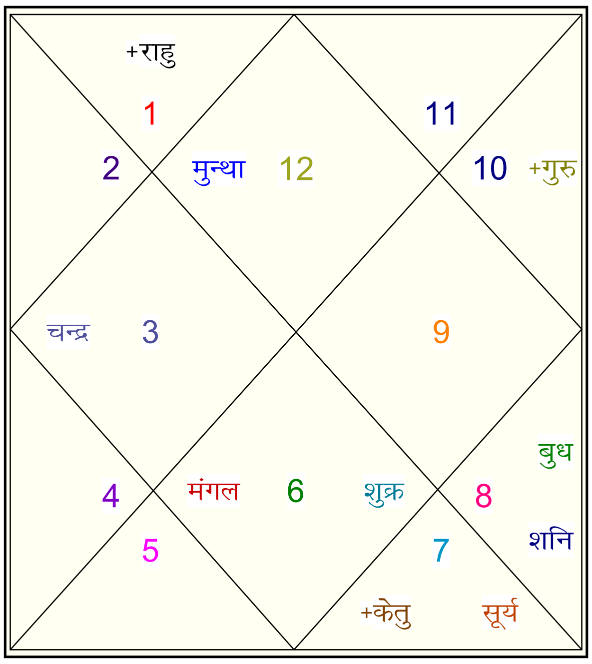

वर्ष लग्न

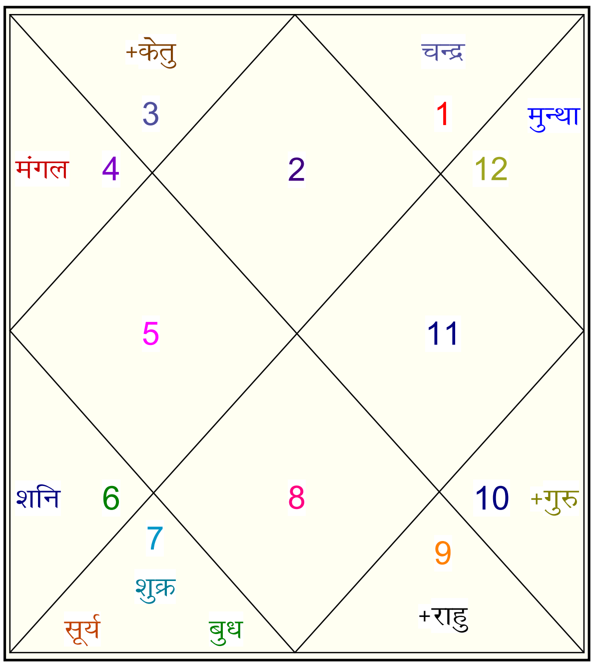

वर्षफल 2009 - 10

जन्म – विवरण

चन्द्र

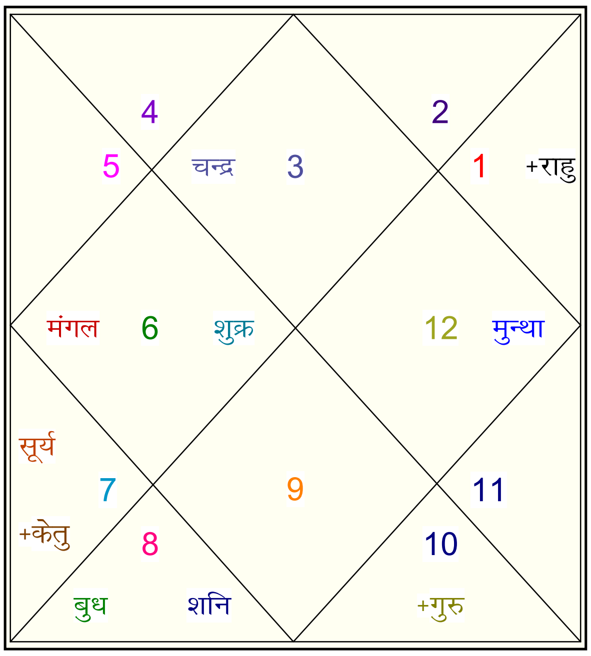

नवमांश

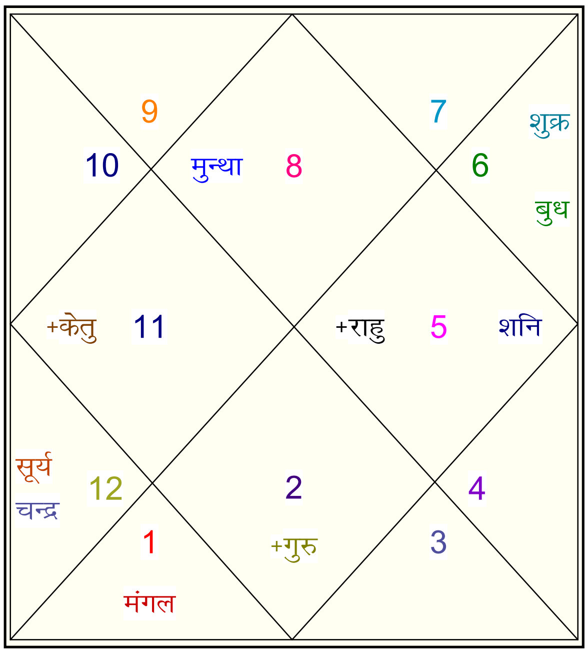

वर्ष – विवरण

चन्द्र

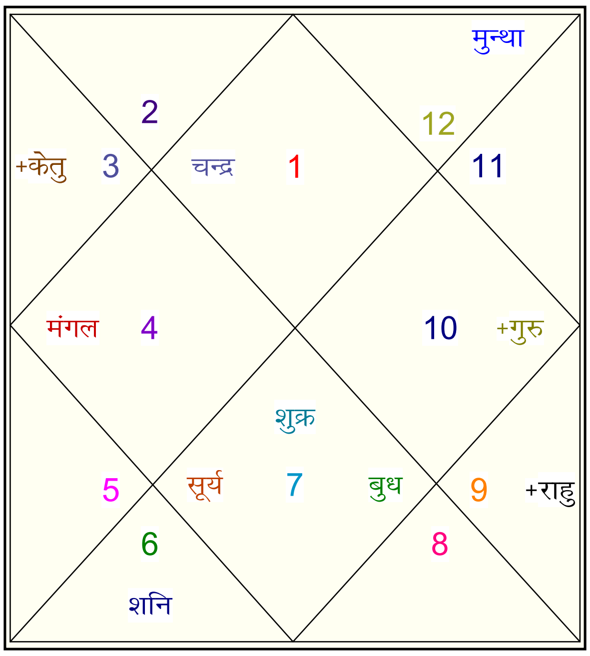

नवमांश

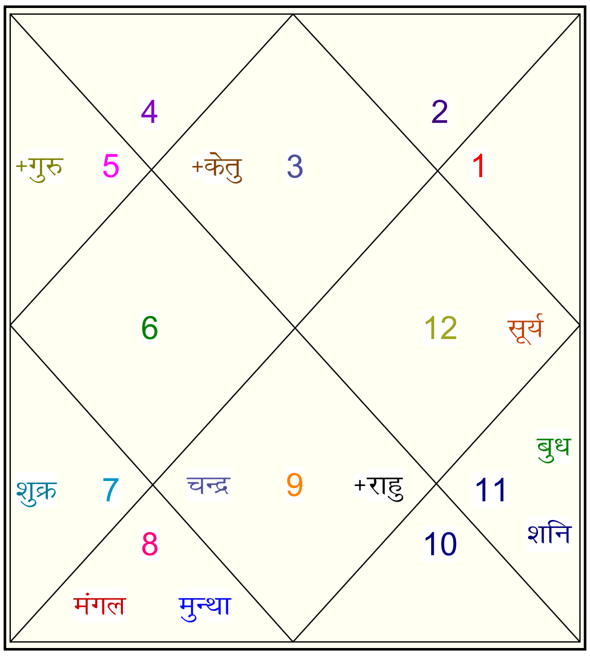

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
बुध	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	सम
गुरु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	सम
शनि	सम	सम	मित्र	सम	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	वृष	तुला	मेष	कर्क	तुला	मकर	तुला	कन्या
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	कर्क	कुम्भ	तुला	कन्या	कुम्भ	सिंह	कर्क	सिंह
पदमांश	वृश्चि	मेष	मकर	तुला	मेष	तुला	तुला	कन्या
पंचमांश	मकर	धनु	तुला	मीन	धनु	मकर	मेष	कन्या
षष्ठमांश	मकर	कर्क	कन्या	धनु	कर्क	कुम्भ	मेष	वृश्चि
सप्तमांश	मीन	कुम्भ	तुला	मेष	मकर	धनु	तुला	मेष
अष्टमांश	धनु	सिंह	वृश्चि	कर्क	सिंह	तुला	मेष	मिथु
नवमांश	मिथु	मीन	धनु	वृश्चि	कुम्भ	सिंह	तुला	कुम्भ
दशमांश	कर्क	मीन	मकर	कर्क	मीन	मेष	तुला	कर्क
एकादशांश	तुला	मीन	मकर	वृश्चि	कुम्भ	सिंह	कन्या	तुला
द्वादशांश	धनु	मेष	कुम्भ	धनु	मेष	तुला	तुला	वृश्चि

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्ववर्ग	सम
होरा	शत्रु	स्ववर्ग	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
द्रेष्काण	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	सम
पदमांश	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्ववर्ग	सम
पंचमांश	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम
षष्ठमांश	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
सप्तमांश	सम	शत्रु	स्ववर्ग	सम	स्ववर्ग	स्ववर्ग	मित्र
अष्टमांश	स्ववर्ग	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
नवमांश	शत्रु	शत्रु	स्ववर्ग	सम	शत्रु	स्ववर्ग	स्ववर्ग
दशमांश	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्ववर्ग	सम
एकादशांश	शत्रु	सम	स्ववर्ग	सम	शत्रु	शत्रु	सम
द्वादशांश	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्ववर्ग	मित्र
शुभ अंश	1.00	1.00	3.00	0.00	4.00	6.00	4.00
सम अंश	2.00	4.00	0.00	4.00	0.00	0.00	8.00
अशुभ अंश	9.00	7.00	9.00	8.00	8.00	6.00	0.00
कुल	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	सामान्य	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
द्वितीय बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.00	0.00
तृतीय बल	5.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
चतुर्थ बल	0.00	5.00	0.00	5.00	0.00	5.00	5.00
कुल	5.00	5.00	0.00	5.00	0.00	10.00	5.00
बल	क्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	7.50	7.50	7.50	22.50	30.00	15.00
उच्च बल	0.81	19.39	1.52	16.53	2.10	0.39	15.17
हददा बल	3.75	7.50	3.75	3.75	11.25	7.50	7.50
द्रेष्काण	5.00	2.50	2.50	5.00	2.50	2.50	5.00
नवमांश	1.25	1.25	5.00	2.50	1.25	5.00	5.00
कुल	18.31	38.14	20.27	35.28	39.60	45.39	47.67
विंशोपक	4.58	9.53	5.07	8.82	9.90	11.35	11.92
बल	क्षीण	सामान्य	सामान्य	सामान्य	सामान्य	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	कुल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	9.90	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	शुक्र	11.35	कोई दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	9.90	अतिशुभ	गुरु
दिवापति	मंगल	5.07	शुभ	
त्रिराशिपति	चन्द्र	9.53	कोई दृष्टि नहीं	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम ५० हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

	सहम	सहम राशि	सहम अंश	सहम स्वामी	राशि अवधि (पलों में)	दिन	घटना घटने की तिथि
1	पुण्य	वृश्चि	7:59:34	मंगल	338:46	126.09	08/03/2010
2	गुरु	धनु	28:20:01	गुरु	304:5	376.86	14/11/2010
3	ज्ञान	धनु	28:20:01	गुरु	304:5	376.86	14/11/2010
4	यश	मीन	2:13:46	गुरु	230:28	30.19	02/12/2009
5	मित्र	सिंह	10:07:41	सूर्य	335:8	329.09	27/09/2010
6	माहात्म्य	मकर	24:29:30	शनि	269:17	139.94	22/03/2010
7	आशा	कर्क	12:06:39	चन्द्र	337:32	82.74	23/01/2010
8	समर्थ	धनु	27:46:06	गुरु	304:5	376.22	13/11/2010
9	भातृ	वृश्चि	5:34:06	मंगल	338:46	123.40	05/03/2010
10	गौरव	मकर	20:50:22	शनि	269:17	136.24	18/03/2010
11	राजा	कर्क	28:56:23	चन्द्र	337:32	101.40	11/02/2010
12	पितृ	कर्क	28:56:23	चन्द्र	337:32	101.40	11/02/2010
13	मातृ	तुला	21:09:50	शुक्र	332:29	22.25	24/11/2009
14	सुत	कुम्भ	14:37:18	शनि	236:44	142.15	24/03/2010
15	जीव	मकर	0:45:29	शनि	269:17	115.87	26/02/2010
16	अम्बु	तुला	21:09:50	शुक्र	332:29	22.25	24/11/2009
17	कर्म	कन्या	20:03:11	बुध	322:23	373.22	10/11/2010
18	रोग	मेष	27:28:05	मंगल	253:31	217.58	07/06/2010
19	कामदेव	तुला	21:09:50	शुक्र	332:29	22.25	24/11/2009
20	कलि	वृश्चि	8:33:29	मंगल	338:46	126.72	08/03/2010
21	क्षेम	वृश्चि	8:33:29	मंगल	338:46	126.72	08/03/2010
22	शास्त्र	मिथु	28:48:21	बुध	332:48	258.33	18/07/2010
23	बन्धु	वृश्चि	6:54:22	मंगल	338:46	124.89	07/03/2010
24	बंधक	वृश्चि	6:54:22	मंगल	338:46	124.89	07/03/2010
25	मृत्यु	मेष	22:56:36	मंगल	253:31	214.10	04/06/2010
26	परदेश	तुला	21:15:32	शुक्र	332:29	22.35	24/11/2009
27	अर्थ	मकर	15:50:32	शनि	269:17	131.17	13/03/2010
28	परदारा	वृष	1:20:04	शुक्र	306:42	178.33	29/04/2010
29	अन्यकर्म	कुम्भ	9:06:36	शनि	236:44	137.20	19/03/2010
30	वणिक	धनु	29:25:13	गुरु	304:5	378.08	15/11/2010
31	कार्यसिद्धि	कन्या	19:41:33	बुध	322:23	372.81	10/11/2010
32	विवाह	कर्क	12:06:39	चन्द्र	337:32	82.74	23/01/2010

सहम

	सहम	सहम राशि	अंश	सहम स्वामी	राशि अवधि (पलों में)	दिन	घटना घटने की तिथि
33	प्रसूति	कन्या	25:52:43	बुध	322:23	379.73	16/11/2010
34	संताप	मीन	22:56:36	गुरु	230:28	46.52	18/12/2009
35	श्रद्धा	कन्या	4:18:39	बुध	322:23	355.62	23/10/2010
36	प्रीति	सिंह	8:30:14	सूर्य	335:8	327.26	25/09/2010
37	बल	मीन	2:13:46	गुरु	230:28	30.19	02/12/2009
38	देह	मीन	2:13:46	गुरु	230:28	30.19	02/12/2009
39	जाडय	सिंह	24:00:41	सूर्य	335:8	344.69	12/10/2010
40	व्यापार	कुम्भ	16:16:24	शनि	236:44	143.64	25/03/2010
41	जलपतन	सिंह	24:00:41	सूर्य	335:8	344.69	12/10/2010
42	शत्रु	मीन	25:57:48	गुरु	230:28	48.90	21/12/2009
43	शौर्य	तुला	11:50:05	शुक्र	332:29	12.22	14/11/2009
44	उपाय	मकर	0:45:29	शनि	269:17	115.87	26/02/2010
45	दरिद्रता	वृश्चि	7:59:34	मंगल	338:46	126.09	08/03/2010
46	गुरुता	धनु	10:51:55	गुरु	304:5	357.17	25/10/2010
47	जलपथ	मीन	26:38:31	गुरु	230:28	49.44	21/12/2009
48	बंधन	सिंह	19:38:05	सूर्य	335:8	339.77	07/10/2010
49	कन्या	तुला	21:09:50	शुक्र	332:29	22.25	24/11/2009
50	अश्व	वृष	0:18:43	शुक्र	306:42	177.46	28/04/2010

त्रिपताकी चक्रम

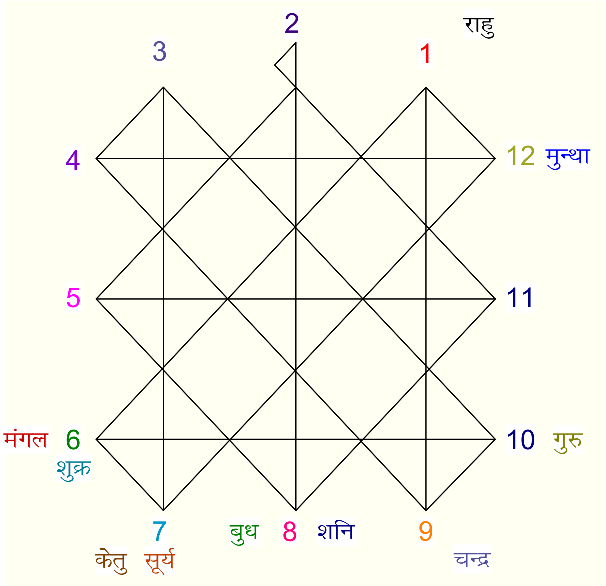

पात्यंश दशा

शुक्र	शनि	मंगल	बुध
03/11/2009 19:46 10/11/2009 01:26	10/11/2009 01:26 29/01/2010 12:56	29/01/2010 12:56 13/05/2010 06:13	13/05/2010 06:13 07/06/2010 09:18
शुक्र 03/11/2009 22:20	शनि 27/11/2009 19:01	मंगल 27/02/2010 23:49	बुध 14/05/2010 23:42
शनि 05/11/2009 07:18	मंगल 20/12/2009 15:31	बुध 07/03/2010 03:04	सूर्य 15/05/2010 23:33
मंगल 07/11/2009 01:48	बुध 26/12/2009 04:24	सूर्य 11/03/2010 05:33	लग्न 16/05/2010 18:34
बुध 07/11/2009 12:06	सूर्य 29/12/2009 08:48	लग्न 14/03/2010 11:58	गुरु 22/05/2010 01:06
सूर्य 07/11/2009 18:01	लग्न 31/12/2009 21:39	गुरु 05/04/2010 06:16	चन्द्र 25/05/2010 06:51
लग्न 07/11/2009 22:44	गुरु 17/01/2010 18:55	चन्द्र 18/04/2010 15:13	शुक्र 25/05/2010 17:09
गुरु 09/11/2009 06:08	चन्द्र 28/01/2010 03:58	शुक्र 20/04/2010 09:43	शनि 31/05/2010 06:02
चन्द्र 10/11/2009 01:26	शुक्र 29/01/2010 12:56	शनि 13/05/2010 06:13	मंगल 07/06/2010 09:18

सूर्य	लग्न	गुरु	चन्द्र
07/06/2010 09:18 21/06/2010 20:04	21/06/2010 20:04 03/07/2010 08:15	03/07/2010 08:15 17/09/2010 23:31	17/09/2010 23:31 04/11/2010 01:46
सूर्य 07/06/2010 23:01	लग्न 22/06/2010 04:47	गुरु 19/07/2010 10:10	चन्द्र 24/09/2010 01:15
लग्न 08/06/2010 09:57	गुरु 24/06/2010 14:43	चन्द्र 29/07/2010 07:19	शुक्र 24/09/2010 20:32
गुरु 11/06/2010 10:42	चन्द्र 26/06/2010 02:20	शुक्र 30/07/2010 14:43	शनि 05/10/2010 05:35
चन्द्र 13/06/2010 07:25	शुक्र 26/06/2010 07:03	शनि 16/08/2010 11:58	मंगल 18/10/2010 14:32
शुक्र 13/06/2010 13:20	शनि 28/06/2010 19:54	मंगल 07/09/2010 06:16	बुध 21/10/2010 20:18
शनि 16/06/2010 17:45	मंगल 02/07/2010 02:20	बुध 12/09/2010 12:48	सूर्य 23/10/2010 17:01
मंगल 20/06/2010 20:13	बुध 02/07/2010 21:20	सूर्य 15/09/2010 13:34	लग्न 25/10/2010 04:37
बुध 21/06/2010 20:04	सूर्य 03/07/2010 08:15	लग्न 17/09/2010 23:31	गुरु 04/11/2010 01:46

1. राशि को छोड़कर दो ग्रहों के अंशों के मध्य का अन्तर पात्यंश कहलाता है। ग्रह दशा ज्ञात करने के लिये सर्वाधिक अंश वाले ग्रह का दशामान 1 वर्ष माना जाता है।

2. उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

मुद्दा दशा

सूर्य	
03/11/2009 19:46	22/11/2009 02:04
सूर्य	04/11/2009 17:41
चन्द्र	06/11/2009 06:13
मंगल	07/11/2009 07:47
राहु	10/11/2009 01:31
गुरु	12/11/2009 11:58
शनि	15/11/2009 09:22
बुध	17/11/2009 23:27
केतु	19/11/2009 01:01
शुक्र	22/11/2009 02:04

चन्द्र	
22/11/2009 02:04	22/12/2009 12:34
चन्द्र	24/11/2009 14:57
मंगल	26/11/2009 09:34
राहु	30/11/2009 23:08
गुरु	05/12/2009 00:32
शनि	09/12/2009 20:12
बुध	14/12/2009 03:41
केतु	15/12/2009 22:18
शुक्र	21/12/2009 00:03
सूर्य	22/12/2009 12:34

मंगल	
22/12/2009 12:34	12/01/2010 19:55
मंगल	23/12/2009 18:24
राहु	26/12/2009 23:06
गुरु	29/12/2009 19:17
शनि	02/01/2010 04:15
बुध	05/01/2010 04:41
केतु	06/01/2010 10:31
शुक्र	09/01/2010 23:44
सूर्य	11/01/2010 01:19
चन्द्र	12/01/2010 19:55

राहु	
12/01/2010 19:55	08/03/2010 14:49
राहु	21/01/2010 01:09
गुरु	28/01/2010 08:29
शनि	06/02/2010 00:40
बुध	13/02/2010 18:57
केतु	16/02/2010 23:39
शुक्र	26/02/2010 02:48
सूर्य	28/02/2010 20:33
चन्द्र	05/03/2010 10:07
मंगल	08/03/2010 14:49

गुरु	
08/03/2010 14:49	26/04/2010 07:37
गुरु	15/03/2010 02:40
शनि	22/03/2010 19:43
बुध	29/03/2010 17:18
केतु	01/04/2010 13:29
शुक्र	09/04/2010 16:17
सूर्य	12/04/2010 02:43
चन्द्र	16/04/2010 04:07
मंगल	19/04/2010 00:18
राहु	26/04/2010 07:37

शनि	
26/04/2010 07:37	23/06/2010 03:34
शनि	05/05/2010 11:23
बुध	13/05/2010 16:00
केतु	17/05/2010 00:58
शुक्र	26/05/2010 16:18
सूर्य	29/05/2010 13:42
चन्द्र	03/06/2010 09:21
मंगल	06/06/2010 18:19
राहु	15/06/2010 10:31
गुरु	23/06/2010 03:34

बुध	
23/06/2010 03:34	13/08/2010 21:25
बुध	30/06/2010 11:30
केतु	03/07/2010 11:56
शुक्र	12/07/2010 02:55
सूर्य	14/07/2010 17:01
चन्द्र	19/07/2010 00:30
मंगल	22/07/2010 00:56
राहु	29/07/2010 19:13
गुरु	05/08/2010 16:48
शनि	13/08/2010 21:25

केतु	
13/08/2010 21:25	04/09/2010 04:46
केतु	15/08/2010 03:15
शुक्र	18/08/2010 16:28
सूर्य	19/08/2010 18:03
चन्द्र	21/08/2010 12:39
मंगल	22/08/2010 18:29
राहु	25/08/2010 23:11
गुरु	28/08/2010 19:22
शनि	01/09/2010 04:20
बुध	04/09/2010 04:46

शुक्र	
04/09/2010 04:46	04/11/2010 01:46
शुक्र	14/09/2010 08:16
सूर्य	17/09/2010 09:19
चन्द्र	22/09/2010 11:04
मंगल	26/09/2010 00:18
राहु	05/10/2010 03:27
गुरु	13/10/2010 06:15
शनि	22/10/2010 21:34
बुध	31/10/2010 12:33
केतु	04/11/2010 01:46

नोटः जन्म नक्षत्र की संख्या में गत वर्ष जोड़कर 2 घटा दें, 9 से भाग करने पर जो शेष बचे वह सूर्य से लेकर मुद्दा दशा होती है।

सूक्ष्म विंशोत्तरी दशा

शनि-केतु-शनि	शनि-केतु-बुध	शनि-शुक्र-शुक्र	शनि-शुक्र-सूर्य
29/11/2008 23:42 02/02/2009 02:01	02/02/2009 02:01 31/03/2009 10:24	31/03/2009 10:24 10/10/2009 04:54	10/10/2009 04:54 07/12/2009 00:51
शनि 10/12/2008 03:16	बुध 10/02/2009 05:00	शुक्र 02/05/2009 13:29	सूर्य 13/10/2009 02:18
बुध 19/12/2008 05:12	केतु 13/02/2009 13:17	सूर्य 12/05/2009 04:48	चन्द्र 17/10/2009 21:57
केतु 22/12/2008 22:56	शुक्र 23/02/2009 02:41	चन्द्र 28/05/2009 06:21	मंगल 21/10/2009 06:55
शुक्र 02/01/2009 15:19	सूर्य 25/02/2009 23:30	मंगल 08/06/2009 12:14	राहु 29/10/2009 23:07
सूर्य 05/01/2009 20:14	चन्द्र 02/03/2009 18:12	राहु 07/07/2009 10:12	गुरु 06/11/2009 16:10
चन्द्र 11/01/2009 04:25	मंगल 06/03/2009 02:30	गुरु 02/08/2009 03:04	शनि 15/11/2009 19:56
मंगल 14/01/2009 22:10	राहु 14/03/2009 16:57	शनि 01/09/2009 15:36	बुध 24/11/2009 00:33
राहु 24/01/2009 12:54	गुरु 22/03/2009 08:28	बुध 28/09/2009 23:01	केतु 27/11/2009 09:31
गुरु 02/02/2009 02:01	शनि 31/03/2009 10:24	केतु 10/10/2009 04:54	शुक्र 07/12/2009 00:51

शनि-शुक्र-चन्द्र	शनि-शुक्र-मंगल	शनि-शुक्र-राहु	शनि-शुक्र-गुरु
07/12/2009 00:51 13/03/2010 10:06	13/03/2010 10:06 19/05/2010 21:22	19/05/2010 21:22 09/11/2010 09:13	09/11/2010 09:13 12/04/2011 14:25
चन्द्र 15/12/2009 01:37	मंगल 17/03/2010 08:33	राहु 14/06/2010 21:57	गुरु 29/11/2010 22:43
मंगल 20/12/2009 16:33	राहु 27/03/2010 11:27	गुरु 08/07/2010 01:08	शनि 24/12/2010 08:44
राहु 04/01/2010 03:33	गुरु 05/04/2010 11:21	शनि 04/08/2010 12:24	बुध 15/01/2011 05:05
गुरु 16/01/2010 23:59	शनि 16/04/2010 03:44	बुध 29/08/2010 02:17	केतु 24/01/2011 04:59
शनि 01/02/2010 06:15	बुध 25/04/2010 17:08	केतु 08/09/2010 05:11	शुक्र 18/02/2011 21:51
बुध 14/02/2010 21:57	केतु 29/04/2010 15:35	शुक्र 07/10/2010 03:09	सूर्य 26/02/2011 14:54
केतु 20/02/2010 12:54	शुक्र 10/05/2010 21:28	सूर्य 15/10/2010 19:21	चन्द्र 11/03/2011 11:20
शुक्र 08/03/2010 14:26	सूर्य 14/05/2010 06:26	चन्द्र 30/10/2010 06:20	मंगल 20/03/2011 11:15
सूर्य 13/03/2010 10:06	चन्द्र 19/05/2010 21:22	मंगल 09/11/2010 09:13	राहु 12/04/2011 14:25

शनि-शुक्र-शनि	शनि-शुक्र-बुध	शनि-शुक्र-केतु	शनि-सूर्य-सूर्य
12/04/2011 14:25 12/10/2011 17:36	12/10/2011 17:36 24/03/2012 14:07	24/03/2012 14:07 31/05/2012 01:24	31/05/2012 01:24 17/06/2012 09:47
शनि 11/05/2011 14:19	बुध 04/11/2011 22:42	केतु 28/03/2012 12:35	सूर्य 31/05/2012 22:13
बुध 06/06/2011 12:58	केतु 14/11/2011 12:06	शुक्र 08/04/2012 18:28	चन्द्र 02/06/2012 08:55
केतु 17/06/2011 05:22	शुक्र 11/12/2011 19:31	सूर्य 12/04/2012 03:25	मंगल 03/06/2012 09:12
शुक्र 17/07/2011 17:53	सूर्य 20/12/2011 00:09	चन्द्र 17/04/2012 18:22	राहु 05/06/2012 23:40
सूर्य 26/07/2011 21:39	चन्द्र 02/01/2012 15:52	मंगल 21/04/2012 16:49	गुरु 08/06/2012 07:11
चन्द्र 11/08/2011 03:55	मंगल 12/01/2012 05:15	राहु 01/05/2012 19:43	शनि 11/06/2012 01:06
मंगल 21/08/2011 20:18	राहु 05/02/2012 19:08	गुरु 10/05/2012 19:37	बुध 13/06/2012 12:06
राहु 18/09/2011 07:34	गुरु 27/02/2012 15:28	शनि 21/05/2012 12:00	केतु 14/06/2012 12:23
गुरु 12/10/2011 17:36	शनि 24/03/2012 14:07	बुध 31/05/2012 01:24	शुक्र 17/06/2012 09:47

षोडश योग

१. इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (१.४.७.१०) और पणफर (२.५.८.११) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

२. इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (३.६.९.१२) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

३. इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से १ कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

४. इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

५. नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

६. यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह

दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

७. मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

८. कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

९. गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

१०. खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

११. रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा ६.८.१२ में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

१२. दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (१) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (२) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

१३. दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह

से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

१४. तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

१५. कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश बलवान है। अतः कुत्थ योग की सृष्टि हो रही है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में कुत्थ योग भी बन रहा है अतः इसके शुभ प्रभाव से इस वर्ष में आपको पूर्ण उन्नति एवं सफलताएं मिलेंगी तथा सम्पूर्ण वर्ष प्रसन्नता प्रदान करने वाले कार्य होंगे।

१६. दुरूफयोग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पञ्चाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः–

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।
वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

* *

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा १२ से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः–

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

* *

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्यमान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

* *

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक धार्मिक कार्य कलापों तथा पुण्य संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होगी एवं भाग्योदय संबधी कोई महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा। इस समय भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही किसी शुभ एवं मांगलिक कार्य पर व्यय भी होगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही कार्यक्षेत्र में विस्तार या किसी नवीन योजना का शुभारंभ भी होगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी पदोन्नति की संभावनाएं बनेगी। साथ ही मंत्री वर्ग या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इससे आपके विगत रूके हुए कार्यो में सफलता मिलेगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। इस वर्ष में आपको कोई सरकारी या राजनैतिक सम्मान भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं संबधियों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा। अतः सम्पूर्ण सुख एवं आनन्द का उपभोग करते हुए आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

* *

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता से आप परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति कर सकते है। साथ ही मानसिक स्थिति में यदा कदा अशान्ति तथा व्याकुलता रहेगी। शत्रु पक्ष इस समय आपके लिए समय समय पर समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे परन्तु आप दृढ़ता से उनका सामना करेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें तनाव तथा कलह का भाव विद्यमान रहेगा । स्त्री से भी इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा अतः दामपत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति रहेगी। मित्र या संबधियों से भी संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे वांछित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। साथ ही विगत रूके हुए कार्य एवं मानसिक संकल्प भी इस वर्ष अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे इसके अतिरिक्त आर्थिक स्थिति में भी विशेष सुदृढ़ता नहीं रहेगी तथा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे यदा कदा आर्थिक परेशानी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष शील रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम से ही आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ भी सामान्य ही रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय पदोन्नति में बाधाएं तथा विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष प्रबल रहेगा। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी सामान्य ही रहेगा तथा सुखोभोग भी अल्प ही रहेगा। अतः विशेष शुभ फलों की प्राप्ति के लिए परिश्रमशील रहें आपको मध्यम फल ही प्राप्त होंगे।

प्रथम मास

(03/11/2009 07:46:46 PM से 03/12/2009 01:48:38 PM तक)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृष	18:09:47
सूर्य	तुला	17:17:52
चन्द्र	मेष	27:28:05
मंगल	कर्क	14:19:17
बुध	तुला	16:12:40
गुरु	मकर	23:55:35
शुक्र	तुला	0:28:08
शनि	कन्या	6:31:16
राहु -व	धनु	29:49:59
केतु -व	मिथुन	29:49:59
मुन्था	मीन	15:25:56

मासाधिपति : गुरु

मास-चक्र

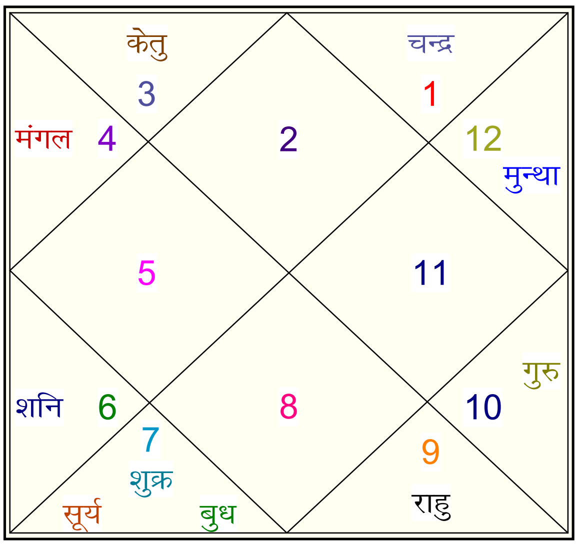

इस मास में आपको शुभ फलों की अधिक मात्रा में प्राप्ति होगी। स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से धन लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा हृदय से भी पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे । साथ ही ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी उन्नति करेंगे। इस समय मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वांछित पदार्थों का आप उपभोग करके प्रसन्न रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप शुभ फल ही प्राप्त करेंगे एवं सम्बन्धियों में आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे। इस प्रकार यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदा कदा अशुभ फल भी होंगे।जिसके प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं एवं किसी कठोर कार्य को करने से सम्मान में अल्पता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अग्नि के द्वारा धन हानि की भी संभावना रहेगी।अतः बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

द्वितीय मास

(03/12/2009 01:48:38 PM से 02/01/2010 01:30:32 AM तक)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मीन	7:38:42
सूर्य	वृश्चिक	17:17:52
चन्द्र	मिथुन	1:16:32
मंगल	कर्क	23:53:26
बुध	धनु	2:28:33
गुरु	मकर	27:15:18
शुक्र	वृश्चिक	7:47:33
शनि	कन्या	9:09:11
राहु -व	धनु	27:37:35
केतु -व	मिथुन	27:37:35
मुन्था	मीन	17:55:56

मासाधिपति : मंगल

मास-चक्र

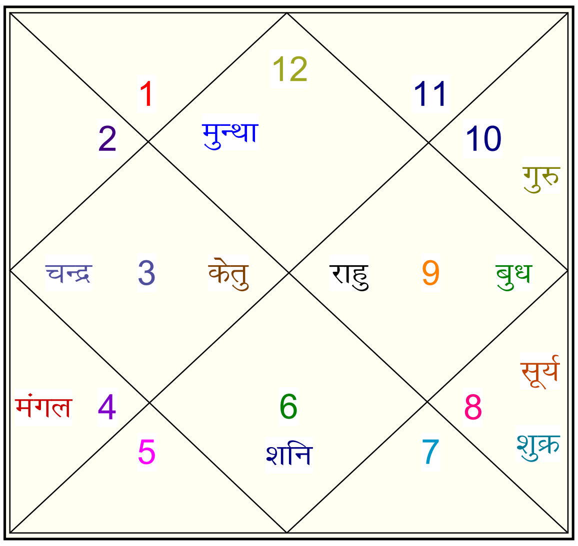

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुखदायक एवं आनंदवर्द्धक रहेगा।इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं का नाश होगा तथा लाभमार्ग भी नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आर्थिक रूप से आप पूर्ण सुदृढ़ रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे।साथ ही समाजिक जनों से आप पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। यह मास आपकी भाग्योन्नति में भी सहायक रहेगा तथा कई ऐसे शुभ कार्य जो समय से सिद्ध न हो रहे हों इस समय सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से संबन्धों में मधुरता बढ़ेगी तथा सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता मिलेगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे तथा इनसे आप अनुकूल सहयोग होता रहेगा।

साथ ही आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा सुख पूर्वक मास को व्यतीत करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

तृतीय मास

(02/01/2010 01:30:32 AM से 31/01/2010 12:48:29 PM तक)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कन्या	29:54:10
सूर्य	धनु	17:17:52
चन्द्र	कर्क	1:46:45
मंगल	कर्क	24:41:00
बुध	धनु	24:05:52
गुरु	कुम्भ	2:31:35
शुक्र	धनु	14:53:45
शनि	कन्या	10:31:26
राहु -व	धनु	27:04:24
केतु -व	मिथुन	27:04:24
मुन्था	मीन	20:25:56

मासाधिपति : चन्द्र

मास-चक्र

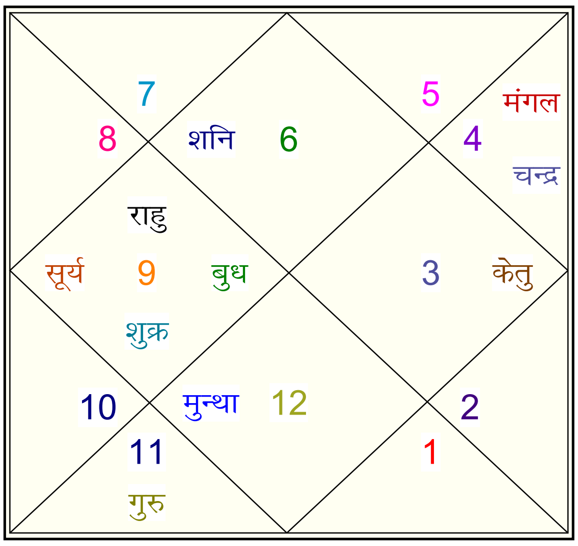

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास

(31/01/2010 12:48:29 PM से 02/03/2010 05:44:43 AM तक)

ग्रह		राशि	अंश
लग्न		वृष	0:22:21
सूर्य		मकर	17:17:52
चन्द्र		सिंह	2:07:29
मंगल		कर्क	15:12:09
बुध		धनु	22:53:19
गुरु		कुम्भ	9:00:40
शुक्र		मकर	21:56:47
शनि		कन्या	10:22:14
राहु	-व	धनु	27:02:35
केतु	-व	मिथुन	27:02:35
मुन्था		मीन	22:55:56

मासाधिपति : शनि

मास-चक्र

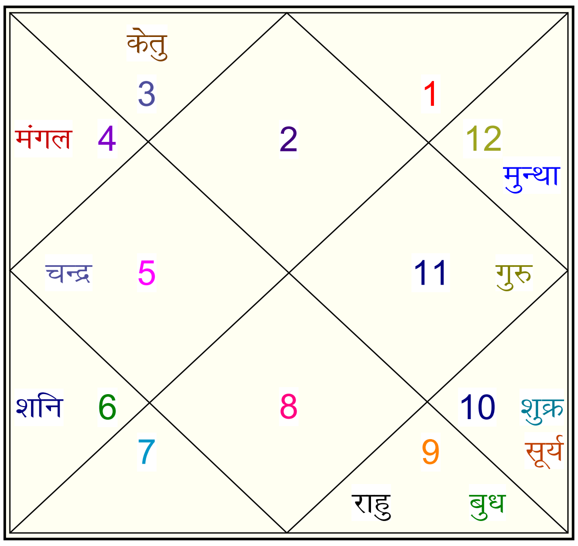

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे । सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे।इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

पंचम मास

(02/03/2010 05:44:43 AM **से** 01/04/2010 09:01:22 AM **तक**)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मकर	25:11:41
सूर्य	कुम्भ	17:17:52
चन्द्र	कन्या	5:48:07
मंगल	कर्क	6:46:11
बुध	कुम्भ	6:46:04
गुरु	कुम्भ	16:06:29
शुक्र	कुम्भ	29:07:35
शनि	कन्या	8:48:08
राहु -व	धनु	25:52:16
केतु -व	मिथुन	25:52:16
मुन्था	मीन	25:25:56

मासाधिपति : शनि

मास-चक्र

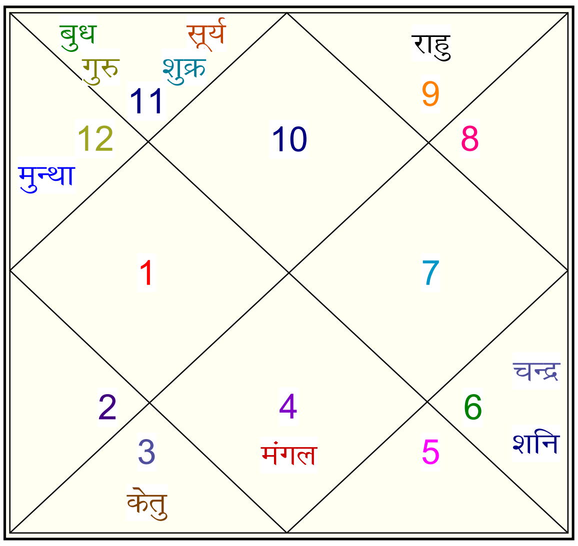

इस मास में आप उत्तम फल प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से भी आपको यथोचित मान सम्मान एवं यश प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप इस मास तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी । इसके अतिरिक्त भाइयों से आपको इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके मानसिक विचार एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता भी अर्जित करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

षष्ठ मास

(01/04/2010 09:01:22 AM से 02/05/2010 12:45:37 AM तक)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृष	2:45:34
सूर्य	मीन	17:17:52
चन्द्र	तुला	14:42:56
मंगल	कर्क	8:50:04
बुध	मेष	3:45:08
गुरु	कुम्भ	23:16:38
शुक्र	मेष	6:30:15
शनि	कन्या	6:29:33
राहु -व	धनु	23:00:34
केतु -व	मिथुन	23:00:34
मुन्था	मीन	27:55:56

मासाधिपति : गुरु

मास-चक्र

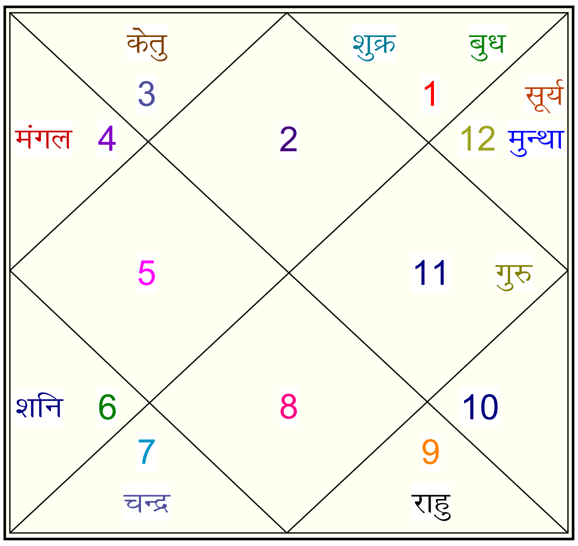

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगे। साथ ही सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इसको प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे । साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे संतति पक्ष से भी आप सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक जनों के मध्य आप इस समय मान सम्मान प्राप्त करेंगे तथा आपके विलम्बित कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगे।इस समय आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप धर्मानुपालन में भी प्रवृत्त रहेंगे एवं समाज में यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास

(02/05/2010 12:45:37 AM से 02/06/2010 03:45:13 AM तक)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मकर	8:31:26
सूर्य	मेष	17:17:52
चन्द्र	वृश्चिक	28:11:11
मंगल	कर्क	18:49:25
बुध	मेष	12:15:26
गुरु	कुम्भ	29:56:18
शुक्र	वृष	13:59:58
शनि	कन्या	4:31:25
राहु -व	धनु	19:49:44
केतु -व	मिथुन	19:49:44
मुन्था	मेष	0:25:56

मासाधिपति : शनि

मास-चक्र

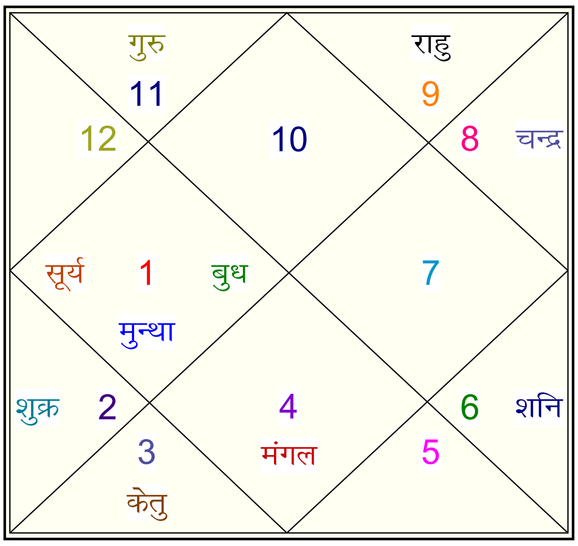

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे । साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिवर्तन का योग भी बनता है ।साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते है तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास

(02/06/2010 03:45:13 AM से 03/07/2010 01:35:52 PM तक)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मेष	12:06:42
सूर्य	वृष	17:17:52
चन्द्र	मकर	14:32:21
मंगल	सिंह	3:14:53
बुध	मेष	23:35:15
गुरु	मीन	5:22:54
शुक्र	मिथुन	21:20:23
शनि	कन्या	3:49:47
राहु -व	धनु	18:10:31
केतु -व	मिथुन	18:10:31
मुन्था	मेष	2:55:56

मासाधिपति : मंगल

मास-चक्र

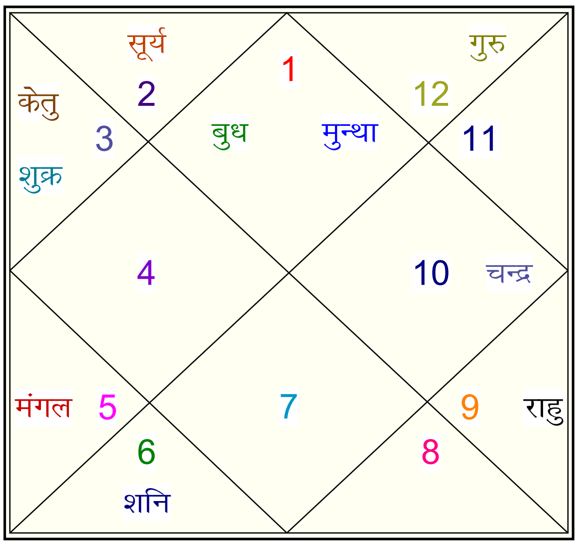

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी अतः इस समय आपके शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं आप से प्रभावित तथा भयभीत रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सम्मान एवं सहयोग अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आप लाभार्जन करेंगे । अतः आपकी अर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी इससे समाज तथा मित्रवर्ग में प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।इस मास में आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा पूर्व विलंबित हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफल रहेंगे एवं सर्वत्र आनन्द एवं प्रसन्नता का वातावरण विद्यमान रहेगा।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे । साथ ही इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है।अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सचेत रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी क्षति हो सकती है।अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

नवम् मास

(03/07/2010 01:35:52 PM से 03/08/2010 11:51:02 PM तक)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	तुला	1:00:42
सूर्य	मिथुन	17:17:52
चन्द्र	मीन	3:09:29
मंगल	सिंह	20:15:19
बुध	मिथुन	23:06:16
गुरु	मीन	8:44:22
शुक्र	कर्क	27:54:24
शनि	कन्या	4:45:44
राहु -व	धनु	17:57:14
केतु -व	मिथुन	17:57:14
मुन्था	मेष	5:25:56

मासाधिपति : बुध

मास-चक्र

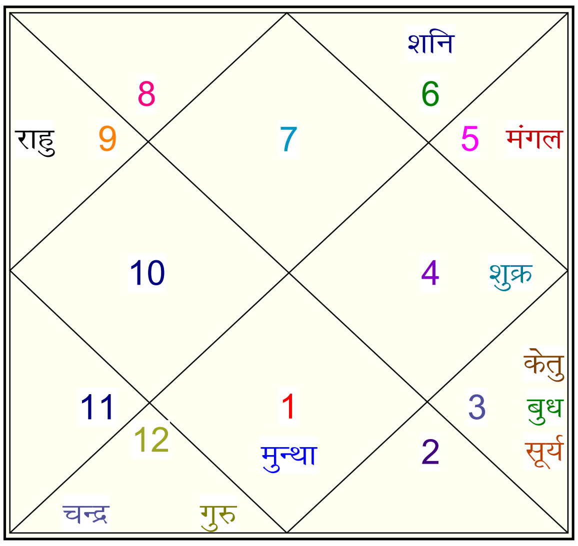

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार की कष्टानुभूति हो सकती है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी इस मास में बलवान रहेगा जिससे आप इनकी ओर से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा इनके द्वारा आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। इस समय आप में उत्साह के भाव की न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी परेशान रहेंगे।साथ ही लोभ के भाव की आप में अधिकता दृष्टिगोचर होगी।बन्धु एवं मित्रों से आपके विशेष अच्छे संबघ नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा इस समय मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे।इसके अतिरिक्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी परस्पर विवाद होता रहेगा। अतः संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख एवं लाभ अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही अधिकाशं कार्यो को अपनी बुद्धि बल से सम्पन्न करेंगे।इसके अतिरिक्त इस मास में आप सामान्य धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे।

दशम् मास

(03/08/2010 11:51:02 PM से 04/09/2010 03:56:58 AM तक)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मेष	16:08:14
सूर्य	कर्क	17:17:52
चन्द्र	मेष	23:48:26
मंगल	कन्या	8:54:43
बुध	सिंह	14:24:26
गुरु	मीन	9:11:05
शुक्र	कन्या	2:27:25
शनि	कन्या	7:07:37
राहु -व	धनु	17:40:41
केतु -व	मिथुन	17:40:41
मुन्था	मेष	7:55:56

मासाधिपति : गुरु

मास-चक्र

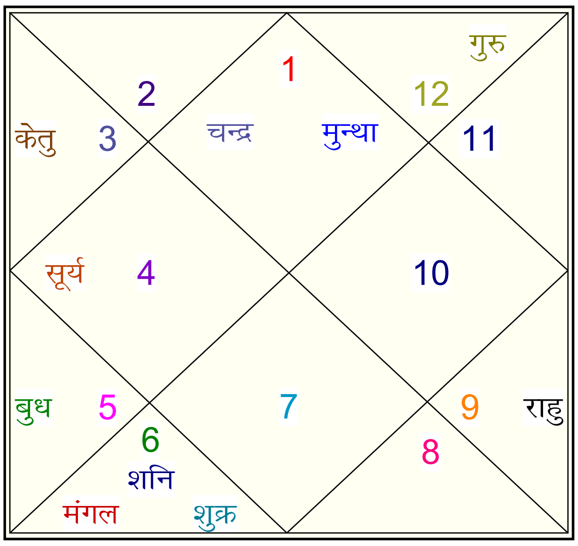

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभफल प्रदान करने वाला रहेगा।इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।साथ ही इस मास आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे । इस समय आपके लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति अत्यंत ही सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्रोतों से भी लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे एवं कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी काफी समय से आप प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करेंगे। इस समय सांसारिक कार्यो में आपको पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं संतुष्ट रहेंगे। अतः आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ आप समय समय पर अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में में न्यूनता आएगी तथा आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी आप न्यूनाधिक क्षति प्राप्त कर सकते है । अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

एकादश मास

(04/09/2010 03:56:58 AM **से** 04/10/2010 09:11:10 PM **तक**)

ग्रह		राशि	अंश
लग्न		कर्क	14:51:49
सूर्य		सिंह	17:17:52
चन्द्र		मिथुन	14:56:54
मंगल		कन्या	28:42:42
बुध		सिंह	16:30:48
गुरु		मीन	6:38:08
शुक्र		तुला	2:14:03
शनि		कन्या	10:26:55
राहु	-व	धनु	16:06:22
केतु	-व	मिथुन	16:06:22
मुन्था		मेष	10:25:56

मासाधिपति : गुरु

मास-चक्र

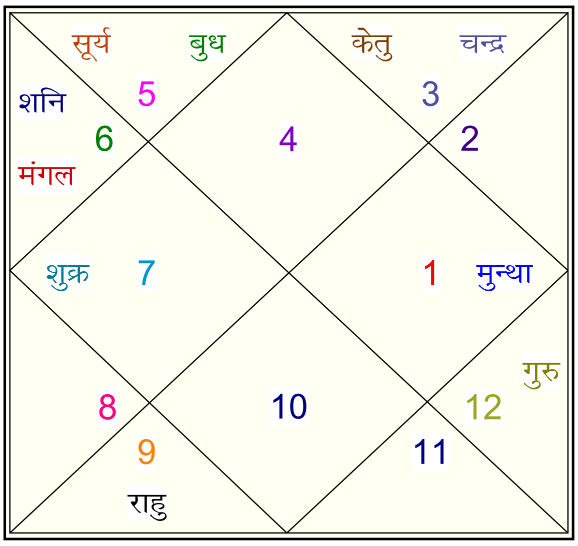

इस महीने में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा सामाजिक एवं पारिवारिक जनों से यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा । साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सम्मान अर्जित करेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे एवं वांछित लाभ भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। आपके शुभ कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए तत्पर रहेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे एवं बन्धु तथा मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप की मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अल्प मात्रा में अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा की दृष्टि से मास में पूर्ण सतर्क रहें तथा अन्य कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

द्वादश मास

(04/10/2010 09:11:10 PM से 04/11/2010 01:57:18 AM तक)

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृष	9:23:14
सूर्य	कन्या	17:17:52
चन्द्र	सिंह	3:18:00
मंगल	तुला	19:21:59
बुध	कन्या	7:48:53
गुरु	मीन	2:39:24
शुक्र	तुला	18:58:06
शनि	कन्या	14:10:46
राहु -व	धनु	13:05:34
केतु -व	मिथुन	13:05:34
मुन्था	मेष	12:55:56

मासाधिपति : सूर्य

मास-चक्र

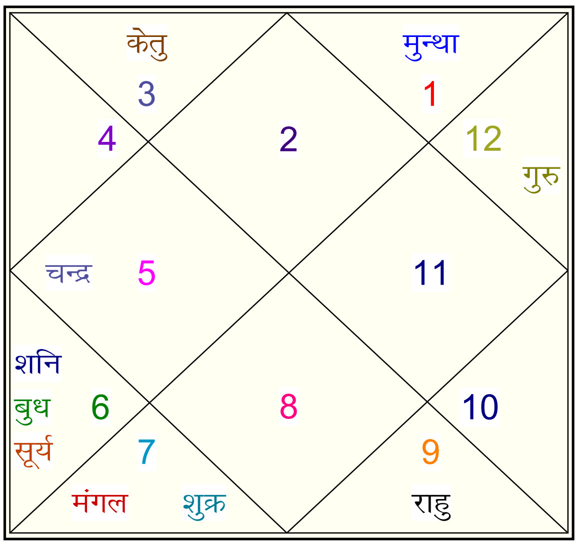

यह मास आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला सिद्ध होगा इस समय आप अधिक मात्रा में व्यय करेंगे जिससे आप आर्थिक दृष्टि से परेशान होंगे।साथ ही आप दुष्ट मनुष्यों की संगति में भी रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अधिक परिश्रम के द्वारा अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में उपेक्षा का भाव रहेगा।संबधियों तथा मित्रों से भी आपके मधुर सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा इनसे परस्पर मनमुटाव रहेगा।इस समय आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी फलतः मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट रहेंगे।इसके अतिरक्त शत्रु वर्ग से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप शीत से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी तथा बाद में आप पश्चाताप करेंगे। साथ ही आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः संयम तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

Provided By:
www.horoscopetimes.com
info@horoscopetimes.com